

## शिल्पि गुरु और राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए मध्य प्रदेश के शिल्पिकार

### चर्चा में क्यों?

28 नवंबर, 2022 को नई दिल्ली के वजिज्ञान भवन में आयोजित भव्य 'शिल्पि गुरु राष्ट्रीय पुरस्कार' सम्मान समारोह में मध्य प्रदेश के एक सदिहस्त हस्तशिल्प कलाकार को 'शिल्पि गुरु पुरस्कार' एवं पाँच श्रेष्ठ हस्तशिल्पियों को हस्तशिल्प के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

### प्रमुख बंदि

- उपराष्ट्रपति जिगदीप धनकड और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सम्मान समारोह में शिल्पि गुरु पुरस्कार विजिताओं को सम्मान स्वरूप सोने का सकिका, 2 लाख रुपए की राशि, ताम्रपत्र, शॉल और प्रमाण-पत्र तथा हस्तशिल्पि राष्ट्रीय पुरस्कार विजिताओं को एक लाख रुपए की राशि, ताम्रपत्र एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किया।
- मध्य प्रदेश के धार ज़िले के मोहम्मद यूसुफ खत्री को बाघ प्रटि हस्त-शिल्पि वरिसत के संरक्षण के लिये वर्ष 2017 का शिल्पि गुरु पुरस्कार प्रदान किया गया है।
- धार ज़िले के मोहम्मद नसीर को साड़ी हस्त-ब्लॉक प्रटिगि शिल्पि और मुबारकि खत्री को बाँस दरी पर्दों पर हस्त ब्लॉक प्रटि तथा नीमच ज़िले के स्व. प्रदीप झरिया और पवन कुमार झरिया को वलुप्त तारापुर हस्त-छप्पा छपाई कला के लिये वर्ष 2017 के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। स्व. प्रदीप झरिया का पुरस्कार उनकी धर्मपत्नी अनुसुइया झरिया ने ग्रहण किया।
- धार ज़िले के मोहम्मद बलिल खत्री को बाँस चटाई हस्त-ब्लॉक प्रटि के लिये वर्ष 2018 के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- उल्लेखनीय है कि उक्त सम्मान समारोह में वर्ष 2017, 2018 एवं 2019 के लिये देशभर से नामित किये गए हस्तशिल्पि से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के 30 हस्तशिल्पियों को 'शिल्पि गुरु पुरस्कार' एवं 78 हस्तशिल्पियों को 'राष्ट्रीय हस्तशिल्पि पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।
- वर्ष 2002 में शुरू किये गए शिल्पि गुरु पुरस्कार ऐसे सर्वश्रेष्ठ सदिहस्त हस्तशिल्पियों को दिया जाता है जिन्होंने हस्तशिल्पि के क्षेत्र में गुरु की भूमिका निभाते हुए संबंधित कला को आगे बढाने के लिये बेहतरिन कार्य किये हो।